

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination
June, 2011**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-006 : METAPHYSICS**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Define metaphysics and explain its nature and scope. 20

OR

What is the principle of causality ? Explain intrinsic and extrinsic causes. 20

2. Define accidents. Describe the Aristotelian division of accidents. How accidents are related to substance ? 20

OR

Write an essay on the Heideggerian contribution to contemporary metaphysics ? 20

3. Answer *any two* of the following in about 200 words each.
- (a) Explain the principles of non - contradiction and excluded middle. 10
 - (b) What do you understand by synthesis ? Explain how this method is used in Metaphysics. 10
 - (c) Trace the roots of German Idealism in the philosophy of Kant. 10
 - (d) Define freedom. Differentiate between moral freedom and psychological freedom. 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each.
- (a) Describe the concept of ontological truth. 5
 - (b) What is the rational nature of human person ? 5
 - (c) Explain 'Being as Essence'. 5
 - (d) Illustrate the Aristotelian theory of Hylemorphism. 5
 - (e) Differentiate between determinism and indeterminism. 5
 - (f) What is analogy ? Point out the three kinds of analogy accepted today. 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each :

- | | |
|--------------------------|---|
| (a) Idealism | 4 |
| (b) Psychological Person | 4 |
| (c) Being | 4 |
| (d) Judgement | 4 |
| (e) Epoche | 4 |
| (f) Substance | 4 |
| (g) Plurality | 4 |
| (h) Libertarianism | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-006 : तत्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) पहले एवं दूसरे प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. तत्वमीमांसा को परिभाषित कीजिए। इसके स्वरूप एवं कार्यक्षेत्र का उल्लेख विस्तार से कीजिए। 20

अथवा

कारणता सिद्धांत से क्या तात्पर्य है? इसके बाह्य एवं आन्तरिक कारणों का विवरण दीजिए। 20

2. गुण से आप क्या समझते हैं? अरस्तू द्वारा प्रस्तुत गुणों के विभाजन की व्याख्या कीजिए। गुण किस प्रकार तत्व से संबंधित है? 20

अथवा

समकालीन तत्वमीमांसा में हाइडेगर के योगदान पर निबन्ध लिखिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) अव्याघात और मध्यम परिहार के नियम का वर्णन कीजिए। 10
- (b) संश्लेषण से आप क्या समझते हैं? तत्त्वमीमांसीय अध्ययनों में इसका कैसे उपयोग किया जाता है? 10
- (c) क्या कॉट के दर्शन में जर्मन प्रत्ययवाद की जड़ें स्थापित हैं? स्पष्ट कीजिए। 10
- (d) स्वतन्त्रता को परिभाषित कीजिए। नैतिक स्वतन्त्रता एवं मनोवैज्ञानिक स्वतन्त्रता को समझाइये। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) सत्तामीमांसीय सत् (ontological truth) को स्पष्ट कीजिए। 5
- (b) मानव-व्यक्ति (Human person) का बौद्धिक स्वरूप क्या है? 5
- (c) अस्तित्व के रूप में सत् (Being as essence) की व्याख्या कीजिए। 5
- (d) अरस्तू के हाइलेमोरफिस्म सिद्धांत को समझाइये। 5
- (e) नियतिवाद एवं अनियतिवाद से आप क्या समझते हैं? 5
- (f) सादृश्यता (analogy) से आप क्या समझते हैं? वर्तमान में स्वीकृत तीन प्रकार की सादृश्यता को लिखिए। 5

5. किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त (लगभग 100 शब्द) टिप्पणी लिखिए।

- | | |
|---|---|
| (a) आदर्शवाद/प्रत्ययवाद | 4 |
| (b) मनोवैज्ञानिक व्यक्ति (Psychological Person) | 4 |
| (c) सत् (being) | 4 |
| (d) निर्णय | 4 |
| (e) असम्बन्धन (इपोखे) | 4 |
| (f) द्रव्य | 4 |
| (g) बहुलता | 4 |
| (h) इच्छास्वातंत्र्यवाद (Libertarianism) | 4 |
-